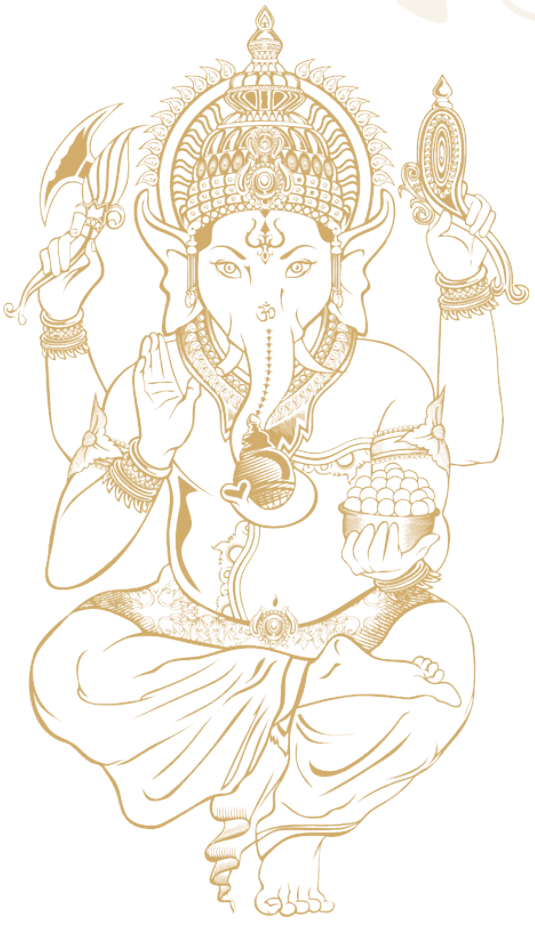

Rajveer Kiran

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121478304

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28-29/07/1990	जन्म तिथि	21/08/1995
शनि-रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 02:42:00	जन्म समय	13:05:00 घंटे
घटी 52:12:57	जन्म समय(घटी)	17:40:34 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Jaipur
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:48:49	सूर्योदय	06:00:46
19:16:29	सूर्यास्त	18:58:35
23:43:46	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:56

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 1वर्ष 4मा 18दि	29:34:03	वृष	लग्न	वृश्चि	06:22:34	राहु 15वर्ष 1मा 27दि
शनि	11:47:56	कर्क	सूर्य	सिंह	03:59:36	गुरु
16/12/2025	04:01:48	तुला	चंद्र	मिथु	08:46:19	17/10/2010
15/12/2044	16:57:25	मेष	मंगल	कन्या	25:11:05	17/10/2026
शनि 19/12/2028	05:25:21	सिंह	बुध	सिंह	25:03:34	गुरु 05/12/2012
बुध 29/08/2031	01:48:51	कर्क	गुरु	वृश्चि	12:15:23	शनि 18/06/2015
केतु 06/10/2032	16:47:49	मिथु	शुक्र	सिंह	04:04:46	बुध 23/09/2017
शुक्र 07/12/2035	27:15:37	धनु व	शनि व	कुंभ	29:19:07	केतु 30/08/2018
सूर्य 18/11/2036	13:33:57	मक व	राहु व	तुला	04:49:45	शुक्र 30/04/2021
चन्द्र 19/06/2038	13:33:57	कर्क व	केतु व	मेष	04:49:45	सूर्य 16/02/2022
मंगल 29/07/2039	12:45:05	धनु व	हर्ष व	मक	03:32:51	चन्द्र 18/06/2023
राहु 04/06/2042	18:50:57	धनु व	नेप व	धनु	29:29:06	मंगल 24/05/2024
गुरु 15/12/2044	21:14:29	तुला	प्लूटो	वृश्चि	04:03:46	राहु 17/10/2026

लग्न-चलित

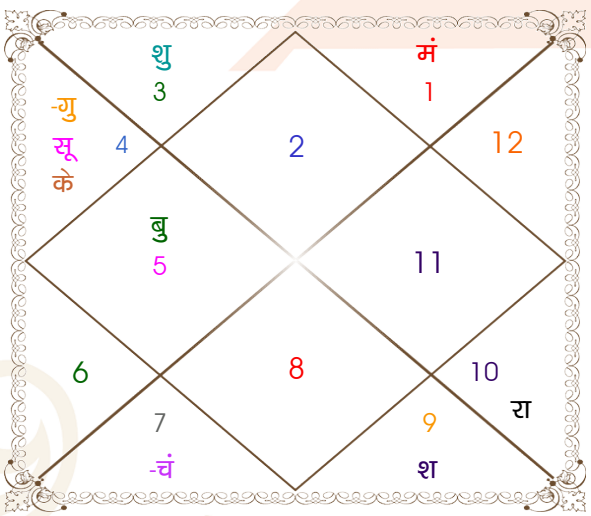

लग्न-चलित

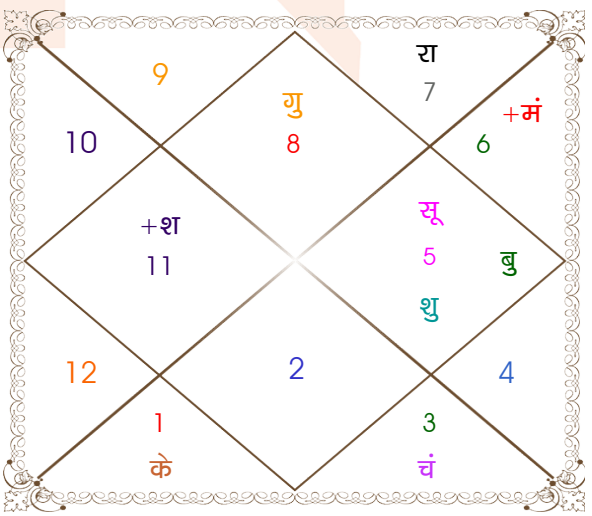

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Rajveer का वर्ग मृग है तथा ज्ञपतंद का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rajveer और ज्ञपतंद का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Rajveer मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Rajveer कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Rajveer कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

झपतंद मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु झपतंद कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल झपतंद कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rajveer तथा झपतंद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।